एशियाई शहरों में पानी व स्वच्छता तक महिलाओं की पहुंच व अधिकार (2009-11)

शोध अध्ययन तथा प्रमुख परिणाम

आई.डी.आर.सी, कनाडा के सहयोग के साथ *जागोरी,* दिल्ली तथा *विमेन इन सिटीज़ इंटरनेशल,* कनाडा की संयुक्त अगुवाई

मुख्य भागीदारः एक्शन इंडिया व *सेंटर फ़ॉर बजट एंड गवर्नेंस अकाउंटेबिलिटी, अन्य भागीदारः* विमेंस फ़ीचर सर्विस, कृति, वनवर्ल्ड फाउंडेशन इंडिया

बवाना जेजे पुनर्वास कॉलोनी दिल्ली के उत्तर-पश्चिमी कोने में हरियाणा बार्डर के पास स्थित है। सन 2004 में केन्द्रीय व पूर्वी दिल्ली में रहने वाले गरीब परिवारों को यहां बसा दिया गया था। बवाना में आज करीब 130,000 लोग बसते हैं। *जागोरी* यहां महिलाओं के प्रति हिंसा, युवा नेतृत्व विकास खाद्य शिक्षा व अन्य मूलभूत सुविधाओं के अधिकार पर 2004 से कार्यरत है।

भल्स्वा दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाके में दिल्ली ढलाव के पास स्थित है। यहां पर रहने वाले 22,000 लोग उत्तर व पूर्वी दिल्ली से लाकर पुनर्वासित किए गए हैं। *एक्शन इंडिया* इस समुदाय के साथ स्वास्थ्य, पानी स्वच्छता व नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रयास कर रही है।

इस हस्तक्षेपों का मुख्य उद्देश्य ज़रूरी सुविधाओं तथा महिलाओं की उन तक पहुंच का जायज़ा लेना था। प्राथमिक चरण में महिला सुरक्षा जांच पद्धति की मदद से ज़रूरी सेवाओं के संदर्भ में सुरक्षा के मुद्दों की पहचान करना तथा एक ऐसे ठोस प्रतिमान की स्थापना करना था जिसका उपयोग महिलाएं स्थानीय सरकारी तंत्र व सेवादाताओं को संबोधित करने के लिए कर सकें। शोध प्रतिमान इस सोच पर आधारित था कि इसकी मदद से जल, स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, विद्युत आपूर्ति तथा निकास व्यवस्थाओं में मौजूद लैंगिक-अन्तर को संबोधित किया जा सकेगा। शोध अध्ययन मौजूदा नीतियों व ज़रूरी सेवाओं की समीक्षा, तात्कालिक परिस्थितियों के मूल्यांकन, फोकस ग्रुप चर्चाओं, सुरक्षा जांच व टहल तथा महिलाओं के साक्षात्कार के माध्यम से किया गया।

संकलित तथ्यों के आधार पर यह पाया गया कि बवाना व भल्स्वा पुनर्वास इलाकों में ज़रूरी सेवाएं लगभग नगण्य हैं। आधारभूत सुविधाओं की कमी व खराब व्यवस्था के साथ-साथ जल, सफ़ाई, बिजली, कचरा प्रबंधन की समस्याएं भी व्याप्त है। इन तकलीफ़ों का परोक्ष प्रभाव महिलाओं के समय, श्रम और स्वास्थ्य पर पड़ता है। औरतों को आर्थिक-सामाजिक नुकसान के साथ-साथ हिंसा और मौकों की कमी भी झेलनी पड़ती है। इन तमाम बातों का असर उनके सम्मान, सुख व बतौर नागरिक शहर पर अधिकार को भी प्रभावित करता है।

अध्ययन के परिणामों से यह निकलकर आया कि बवाना व भल्स्वा में समुदाय के साथ काम से कुछ विशेष बदलाव देखने में आए हैं। पहला, बवाना में महिलाओं, समुदाय व सफ़ाई कर्मचारियों के बीच एक आत्मीय संबंध बना है और सभी पक्ष एकजुट होकर समस्याओं को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। महिलाओं व लड़कियों के उत्पीड़न के मामलों में कमी भी देखी गई है। साथ ही गहन क्षमता विकास कार्यक्रम के ज़रिए समुदाय में अपने क्षेत्र के प्रति स्वामित्व व ज़िम्मेदारी का विकास भी किया गया है। युवा अपने हक़ों व सुरक्षा के प्रति अधिक सजग हो गए है।

इसी तरह भल्स्वा में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। यहां ठोस कचरा प्रबंधन का एक छोटा सा ढांचा विकसित किया गया है तथा पेयजल आपूर्ति में भी सुधार किए गए हैं। पुलिस की गश्त बढ़ने से महिलाओं में सुरक्षा का एहसास बढ़ा हैं। अधिकारों व ज़रूरी सेवाओं के प्रति सजगता से महिलाओं की समस्याओं में सुधार नज़र आया है।

इन हस्तक्षेपों के अलावा *जागोरी* ने इन दोनों पुनर्वास बस्तियों में जल खण्ड में जेंडर अनुकूल बजट विश्लेषण भी किया है। इसका उद्देश्य था बेहतर सेवाओं की आपूर्ति से महिलाओं के समय की बचत की अहमियत को समझना तथा इस अभाव के आर्थिक और अवसरवादी संबंधी नुकसान की समीक्षा करना। इस अध्ययन के तहत बवाना तथा भल्स्वा पुनर्वास क्षेत्रों में पानी, स्वच्छता तथा शौचालय सुविधाओं की भी जांच की गई है। इन ज़रूरी सेवाओं पर होने वाले बजट आबंटन तथा सार्वजनिक व्यय के समग्र मूल्यांकन, दस्तावेज़ों व नीतियों के विश्लेषण तथा नगरपालिका, जल बोर्ड व दिल्ली आवास विकास बोर्ड के अधिकारियों से साक्षात्कार के ज़रिए वकालत व हस्तक्षेप के प्रयासों को अधिक प्रबल बनाने के प्रयास भी किए गए है।

अध्ययन से यह स्पष्ट तौर पर उभरकर आया है कि शहरी जल व स्वच्छता नीतियों व कार्यक्रमों में महिलाओं की उपेक्षा की गई है। सरकारी तंत्रों के आपसी तनावों के कारण इन पुनर्वास बस्तियों में सेवाएं प्रभावित होती है। शहरी स्थानीय पक्षों के बीच साझेदारी व शहरी गरीब व महिलाओं के प्रति संवेदनशीनता का अभाव इन इलाकों की सेवाओं पर परोक्ष प्रभाव डालता है। सेवाओं के लिए नियत धनराशि के उपयोग पर निगरानी और इन पुनर्वास बस्तियों में सामुदायिक ज़िम्मेदारी व स्वामित्व की भावना ही सरकारी पक्षों व सेवादाताओं की पारदर्शिता और जबावदेही स्थापित करने में सहायक रहेगी।

इस शोध अध्ययन की विषयवस्तु तथा प्रमुख परिणामों पर अतिरिक्त जानकारी के लिए जागोरी से सम्पर्क करें। jagori@jagori.org, research@jagori.org